

वर्ष : 31 | अंक : 130

प्रतापगढ़ | गुरुवार, 13 मार्च-2025

पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन

प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित

R.N.I. No. : 71870/94

● ● योगी आदित्यनाथ का बयान ● ●

संभल सत्य है, किसी के पूजा स्थल पर जबरन कब्जा करना अस्वीकार्य



लखनऊ, उत्तर प्रदेश के संभल निवाद को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान है, जिसमें उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि किसी की आस्था को जबरन छीनना और उसकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है - खासकर तब जब हम संभल के बारे में कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पूजा स्थलों का सम्मान करने और धार्मिक स्थलों के संरक्षण के महत्व पर बल दिया। लोगों को संवेदित करते हुए सीएम योगी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी के लिए भी पूजा

संभल जाना महिंद्र में रंगाई-पुताई की इजाजत

प्रयागराज (आगरानगर)। इनाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की शाही जामा मस्जिद की कमेटी को मस्जिद की बाहरी दीवारों पर रंगाई-पुताई करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की अर्जनों को आशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया कि रंगाई-पुताई सिर्फ मस्जिद की बाहरी दीवारों पर ही की जा सकती है। लेकिन यह काम किसी भी ढाँचे को नुकसान पहुंचाए बिना किया जाना चाहिए। मस्जिद कमेटी ने यह याचिका इनाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने रंगाई-पुताई करने की अनुमति मांगी थी।

स्थल पर जबरन कब्जा करना अस्वीकार्य है। उन्होंने संभल का जिक्र करते हुए कहा, - संभल स्थल पर जबरन करता हूं लेकिन अगर कोई जबरन किसी स्थान पर कब्जा करता है और किसी की आस्था को नष्ट करता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। मैं सभी स्प्रिंगों और धर्मों का सम्मान करता हूं लेकिन अगर कोई जबरन किसी स्थान पर कब्जा करता है और किसी की आस्था को नष्ट करता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। संभल में 68 तीर्थ स्थल थे, और हमने अधीन तक के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें पहले अपना डीएनएटे टेस्ट कराना चाहिए। लेकिन याचिका इनाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने रंगाई-पुताई करने की अनुमति मांगी थी।

आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस पर इंडोरिया के राष्ट्रपति द्वारा दिये गए बयान का हवाला देते हुए बिदेशी आकांताओं के महिमानमंडल की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा, - इंडोरिया के राष्ट्रपति ने हाल ही में कहा था कि जब उनका डीएनएटे स्टेस होगा तो वह भारत का होगा। जो लोग भारत के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें पहले अपना डीएनएटे टेस्ट कराना चाहिए। लेकिन याचिका इनाहाबाद स्थल पर करते हुए अधीन तक के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें पहले अपना डीएनएटे टेस्ट कराना चाहिए। लेकिन याचिका इनाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने रंगाई-पुताई करने की अनुमति मांगी थी।

जांच अधिकारी के समक्ष पेश हुए अबू आजमी

(बोले- मैं डरा हुआ हूं)



मुझे उत्तर प्रदेश के बारे में अपने विवादास्पद बयान को लेकर आज समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी पुलिस के समाने पेश हुए। पुलिस के सामने पेश होने के बाद अबू आजमी ने कहा कि बयान दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है, कोई मारात्मा नहीं है। मेरे खिलाफ एक आईडी दर्ज की गई थी। मैंने अग्रिम जमानत ली थी। मुझे जमानत मिल गई है और मुझे 3 दिन के लिए आकर हस्ताक्षर करने होंगे। मैं डरा हुआ हूं, मैंने कुछ नहीं किया पिर भी मायल दर्ज हो गया। मुझे आवंकादी तक कहा गया, मुझे पूरे सत्र से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले मुंबई की एक अदालत ने मंगलवार के समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को मुला

लखनऊ, (हिंस.)। होली का ल्योहा और जुबे की नामक जो को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस पूरी तरह से सरक्त है। संवेदनशील इलाजों में फोर्स की इजाजत न दी गई है और हर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जिसने दूनिया को भारत की पहचान का एक दर्शन दिया, दुनिया को दिखाया कि भारत वास्तव में किस लिए खड़ा है -%एक भारत छेष भारत -% अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री योगी ने महाकृष्ण के बारे में कायेस की नकारात्मक विष्णविधियों पर भी काटाक बोला। योगी ने कहा, -वे हर अच्छी पहल का विरोध करते हैं। आजादी के बाद पहला कूंभ मेला 1954 में आजोंजित किया गया था, जब कायेस सत्ता में थी और यह भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और अराजकता से भरा था। 1,000 से अधिक मौतें हुईं और उसके बाद हर कूंभ मेले में यही होता रहा। यह एक ऐसा तथ्य है कि जिसे छिपाया नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा, - इंडोरिया के राष्ट्रपति ने हाल ही में कहा था कि जब उनका डीएनएटे टेस्ट होगा तो वह भारत का होगा। जो लोग भारत के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें पहले अपना डीएनएटे टेस्ट कराना चाहिए। लेकिन याचिका इनाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने रंगाई-पुताई करने की अनुमति मांगी थी।

रंगोत्सव पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

सनातन की जय हो

आओ रंग गुलाल लगायें, अपने मन का मलाल मिटायें

जपरांकर शुक्ल (जय भैया)
अध्यक्ष
श्री रामचन्द्र शुक्ल संकल्प दृष्ट
दिघिया, माण्डा-मेजा, प्रयागराज

क्योंकि जब संभल जैसी सच्चाई सामने आयी कोई मुंह दिखाने लायक नहीं रहे। योगीएस ने महाकृष्ण के महत्व पर क्रांति काम की अर्जनों को आशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया कि रंगाई-पुताई सिर्फ मस्जिद की बाहरी दीवारों पर ही की जा सकती है। इन्होंने कहा कि बाहरी दीवारों पर लाइटिंग भी लागी जा सकती है, लेकिन यह काम किसी भी ढाँचे को नुकसान पहुंचाए बिना किया जाना चाहिए। मस्जिद कमेटी ने यह याचिका इनाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने रंगाई-पुताई करने की अनुमति मांगी थी।

आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस पर इंडोरिया के राष्ट्रपति ने हाल ही में कहा था कि जब उनका डीएनएटे टेस्ट होगा तो वह स्वीकार्य नहीं है। संभल में 68 तीर्थ स्थल थे, और हमने अधीन तक के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें पहले अपना डीएनएटे टेस्ट कराना चाहिए। लेकिन याचिका इनाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने रंगाई-पुताई करने की अनुमति मांगी थी।

इस अवसर पर प्रदेश के लिए जिले में सब्जिडी वितरित करने के लिए कार्वाच का आयोजन किया गया था, जब कायेस सत्ता में थी और यह भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और अराजकता से भरा था। 1,000 से अधिक मौतें हुईं और उसके बाद हर कूंभ मेले में यही होता रहा। यह एक ऐसा तथ्य है कि जिसे छिपाया नहीं जा सकता।

लगाभग दो करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हुए। हम लोगों ने 2022 के चुनाव में वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर फोर्स के लिए अधिकारी और योगी की सरकार बनती है तो वह गरीबों की समस्याकारी होती है। जब सपा की सरकार बनती है तो सैफूर में बोलीयुड के कलाकारों को बुलाकर साथ देखते हैं। एक-एक गाड़ी में 10-10 बंदूक वाले घूम रहे थे। अब कोई नहीं घूमता। इसके पार भी बुलाया जाता है। उन्हें बड़ा बदला करना चाहिए।

लगाभग इसका लाभ पाएँगे। पहले क्या लाभान्वित हुए। हम लोगों ने 2022 के चुनाव में वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर फोर्स के लिए अधिकारी और योगी की सरकार बनती है तो वह गरीबों की समस्याकारी होती है। जब सपा की सरकार बनती है तो सैफूर में बोलीयुड के कलाकारों को बुलाकर साथ देखते हैं। एक-एक गाड़ी में 10-10 बंदूक वाले घूम रहे थे। अब कोई नहीं घूमता। इसके पार भी बुलाया जाता है। उन्हें बड़ा बदला करना चाहिए।

लगाभग इसका लाभ पाएँगे। पहले क्या लाभान्वित हुए। हम लोगों ने 2022 के चुनाव में वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर फोर्स के लिए अधिकारी और योगी की सरकार बनती है तो वह गरीबों की समस्याकारी होती है। जब सपा की सरकार बनती है तो सैफूर में बोलीयुड के कलाकारों को बुलाकर साथ देखते हैं। एक-एक गाड़ी में 10-10 बंदूक वाले घूम रहे थे। अब कोई नहीं घूमता। इसके पार भी बुलाया जाता है। उन्हें बड़ा बदला करना चाहिए।

लगाभग इसका लाभ पाएँगे। पहले क्या लाभान्वित हुए। हम लोगों ने 2022 के चुनाव में वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर फोर्स के लिए अधिकारी और योगी की सरकार बनती है तो वह गरीबों की समस्याकारी होती है। जब सपा की सरकार बनती है तो सैफूर में बोलीयुड के कलाकारों को बुलाकर साथ देखते हैं। एक-एक गाड़ी में 10-10 बंदूक वाले घूम रहे थे। अब कोई नहीं घूमता। इसके पार भी बुलाया जाता है। उन्हें बड़ा बदला करना चाहिए।

लगाभग इसका लाभ पाएँगे। पहले क्या लाभान्वित हुए। हम लोगों ने 2022 के चुनाव में वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर फ

सम्पादकीय

सम्पादकीय

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लंदन में चैथम हाउस थिंक टैक के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान जम्मू-कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है। यह याद रखना चाहिए कि 22 फरवरी, 1994 को भारत की संसद में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें दोहराया गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अधिन्न अंग था, है, और रहेगा। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोड़ना होगा जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है। वास्तव में जयशंकर की टिप्पणी संसद के इसी प्रस्ताव की प्रतिध्वनि है। जयशंकर ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भारत का पहला प्राथमिक कदम था। सूबे में विकास, आर्थिक गतिविधियां और सामाजिक न्याय की बहाली दूसरा कदम और यहां निष्पक्ष चुनाव कराना तीसरा कदम था। वास्तव में भारत अच्छी तरह से जानता है कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर उसके लंबे समय से चले आ रहे दावे के अलावा पाकिस्तान का भी दावा है और स्वयं उन कश्मीरियों का अपना दावा है जो उस हिस्से की आजादी की मांग कर रहे हैं या भारत में विलय के लिए मांग कर रहे हैं। चौथा दावा चीन का भी है जिसने वहां भारी निवेश किया है। इस अर्थ में जयशंकर का कहना जायज है कि पीओके भारत के नियंत्रण में आ जाए तो वह भी भारतीय जम्मू-कश्मीर की तरह विकास के रास्ते पर बढ़ सकता है। परंतु व्यवहार में यह काम इतना आसान नहीं है। हाल-फिलहाल यह हो सकता है कि पीओके में पाकिस्तानी सरकार के जो जुल्म बढ़ रहे हैं और जिनसे वहां के निवासी आक्रांत रहे हैं, उनके लिए वैश्विक समर्थन जुटाया जाए और स्वयं भारत भी उन्हें स्पष्टतः आश्वासन दे कि वह उनकी जायज मांगों का समर्थक है। गिलगिट-बलूचिस्तान में रहने वाले लोगों ने अपने क्षेत्र पर पाकिस्तान के बलात कब्जे को कभी स्वीकारा नहीं है। यहां राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतात्रिक आवाजें उठ रही हैं। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसद हिस्सा यहीं है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब एक करोड़ 30 लाख की आजादी वाले इस इलाके में सर्वाधिक बलूच हैं। इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्तान भी कहा जाता है। भारत को पीओके के निवासियों की पूरी चिंता है। लेकिन भारत का यह पक्ष केवल बातों में ही नहीं, व्यवहार में भी सामने आना चाहिए। पाकिस्तान के अवैध कब्जे से कश्मीर के इस हिस्से को भारत में वापस लाने का एक रास्ता यह हो सकता है।



अशोक भाटिया

बलूचिस्तान में लिबरेशन आर्मी द्वारा क्रेटा से पेशावर जा रही जापानी एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक करने वाले 11 मार्च की घटना ने, बलूच और पाकिस्तानी शासन के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों की यात्रा को एक बार फिर से ताजा कर दिया है। छह लड़ाकों द्वारा किया गया अटैक और हाईजैक बलूचों वाले स्वतंत्रता की लगातार मांग का नवीनीकरण है। यह लड़ाई आर्थिक उत्तीर्ण राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेल जाने, सांस्कृतिक भेदभाव और स्टेट स्पॉन्सर्ड दमन के आरोपों का अंजाम है, जो 1947 में पाकिस्तानी स्थापना के बाद से ही चल रहा है। बताया जाता है कि हाल ही में बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान पर सबसे बड़ा हमला कर दिया है जिसके बाद कहा जा रहा है कि बलूचिस्तान अपनी आजादी के बेहतर नजदीक पहुंच गया है। अब तक अमेरिका तक ने एक बड़ा ऐलान कर दिया है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तानी एक ट्रेन जाफर एक्सप्रेस वाले हाईजैक कर लिया है। इस ट्रेन पाकिस्तान के 450 लोगों को बंधन से बना लिया गया है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान की सेना ने जरा समझ भी हारकत करने की कोशिश की तो सभी यात्रियों को मार दिया जाएगा। बलूचिस्तान के कच्ची जिले के मानव दातान के आब-ए-गम इलाके के पास ट्रेन को हाईजैक किया गया है। खबर के मुताबिक, करीब छह हथियारबाज लोगों ने ट्रेन पर गोलीबारी की, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, बीएलए का मुकाबला करने के लिए पाक सेना एयर स्ट्राइक की तैयारी कर रही है और एयर एसेंसी ट्रेन हाईजैक करना तैयार किए गए हैं।

हुए बलूच आर्मी ने पाकिस्तान के 11 सैनिकों को मार दिया है। सबसे हैरान करने वाली बात तो ये है कि इस ट्रेन में पाकिस्तान की सेना, पाकिस्तान की पुलिस और पाकिस्तान के आतंकवादी निरोधक दल के अफसर व आईएसआई के अधिकारी भी बैठे हैं बताया जा रहा है कि इस ट्रेन में बैठे पाकिस्तान के अधिकारियों की संख्या 182 से ज्यादा है। ये सभी अफसरों द्वारा मानने के लिए पाकिस्तानके पंजाब प्रांत में जा रहे थे। बलूचों ने ट्रेन में बैठे इन पाकिस्तानी अधिकारियों को भी चेतावनी दी है कि जरा सी हरकत की तो सभी यात्रियों को मार दिया जाएगा। खबरों सामने आ रही है कि बलूच आर्मी ने इस ट्रेन से महिलाओं और बच्चों को रिहा कर दिया है। बलूच लिबरेशन आर्मी की फिदायिन आर्मी और मजीद ब्रिगेड इस मिशन को लीड कर रही हैं। गौर करने वाली बात ये है कि कुछ दिन पहले ही बलूच आर्मी ने ऐलान किया था कि वो पाकिस्तान पर अपने हमले के तरीकों को बदल देगा। कुछ दिन पहले ही बलूचिस्तान और सिंध प्रांत के पांच संगठनों ने पाकिस्तान और चीन के खिलाफ हाथ मिल लिया था। इनमें तीन संगठन बलूचिस्तान के हैं और दो संगठन सिध प्रांत के हैं। मकसद साफ है कि बलूचिस्तान और सिंध प्रांत के पाकिस्तान से अलग करना और काम शुरू भी हो चुका है। कुछ दिन पहले पाकिस्तान की संसद में भी बयान दिया गया था कि बलूचिस्तान से पांच से सात प्रांत खुद को आजाद घोषित करने वाले हैं। बलूचिस्तान में पिछ्ले एक साल में आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है। नवंबर 2024 में क्रोटा रेलवे स्टेशन पर हुए आत्मघाती धमाके में कम से कम 26 लोग मारे गए थे और 62 अन्य घायल हुए थे तेल और खनिज संपर्क बलूचिस्तान, पाकिस्तान का क्षेत्रफल के हिसाब से

सबसे बड़ा लेकिन सबसे कम आबादी वाला प्रांत है। इरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसक अलगाववाद से जूँझ रहा है। बलूच विद्रोही समूह अक्सर सुरक्षा कार्मियों, सरकारी परियोजनाओं और क्षेत्र में 60 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाली चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाकर हमले करते रहते हैं। पौरतलब है कि भारत में इससे पहले अगस्त, 2016 में बलूचिस्तान का मुद्दा जोरदार ढंग से चर्चा में आया था और तब इसकी वजह यह थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त के मौके पर लाल किले से दिए अपने भाषण में बलूच लोगों पर पाकिस्तान के अत्याचारों का जिक्र किया था। तब प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर पाकिस्तान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी जबकि बलूचिस्तान के नेताओं ने इस मुद्दे को उठाने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया था। जात हो कि इस समय पाकिस्तान में क्षेत्रफल के लिहाज से बलूचिस्तान सबसे बड़ा सूबा है लेकिन यहां आबादी कम है और बाकी प्रांतों के मुकाबले यहां के लोग गरीब हैं। यहां रोजगार के मौके भी बहुत कम हैं लेकिन प्राकृतिक संसाधन विशेषकर तेल यहां बहुत ज्यादा है और इसलिए यह सूबा पाकिस्तान के लिए बेहद अहम है। बलूचिस्तान के इतिहास के अनुसार 1947 में भारत के विभाजन के बाद जब पाकिस्तान बना तभी से बलूचिस्तान के लोगों ने पाकिस्तानी आर्मी और हुक्मत के द्वारा की जारी हिंसा, कल्त्तेआम और उनकी आवाज को दबाने के लिए की गई कार्रवाइयों को देखा है। 1947 से पहले बलूचिस्तान में मकरान, लस्त, बेला, खारन और कलात इलाकों के सरदार शामिल थे। ये सभी ब्रिटिश हुक्मत के प्रति वफादार थे। इन सभी

में कलात का सरदार सबसे शक्तिशाली था और बाकी इलाकों के सरदार उसके अधीन थे। जब भारत से ब्रिटिश शासन का अंत होने वाला था तब कलात के अंतिम 'खान' सरदार अहमद यार खान ने एक स्वतंत्र बलूच राष्ट्र की मांग को उठाया। अहमद यार खान ऐसा मानते थे कि उनके और मोहम्मद अली जिन्ना के संबंध बेहद अच्छे हैं और इस बजह से उन्हें पाकिस्तान में शामिल करने के बजाए एक अलग देश की मान्यता मिलेगी। 1947 में पाकिस्तान ने उनके साथ एक मैत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि अंग्रेज चाहते थे कि कलात का पाकिस्तान में विलय हो जाए। अक्टूबर, 1947 में पाकिस्तान ने एक चतुराई भरा खेल खेला और कलात का पाकिस्तान में विलय करने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। 17 मार्च, 1948 को पाकिस्तान की सरकार ने कलात के तीन इलाकों को अपने साथ शामिल कर दिया।

इसी दौरान ऑल इंडिया रेडियो पर यह अफवाह फैल गई थी कि कलात के खान भारत में विलय करना चाहते हैं। इस बजह से 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तान की सेना बलूचिस्तान में घुस गई और इसके अगले दिन कलात के विलय के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए गए। लेकिन इस विलय के खिलाफ बढ़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। बलूचिस्तान की आजादी के लिए अब तक पांच युद्ध (1948, 1958-59, 1962-63, 1973-1977 और 2003 से जारी) लड़े गए हैं, जिनमें से पहला युद्ध 1948 में शुरू हो गया था। पाकिस्तान की सेना के लिए बलूच विद्रोहियों से निपटना बेहद मुश्किल साबित हुआ है। पाकिस्तान की सेना और वहां की हुक्मत ने बलूच विद्रोहियों का निर्दयता से दमन किया है, इस तरह

के अरोप अलग बलूचिस्तान की मांग करने वाले लोगों की तरफ से लगातार लगाए जाते हैं। पाकिस्तान की सेना पर बलूचिस्तान के लोगों का अपहरण करने, उन पर अत्याचार करने, मनमानी गिरफ्तारी करने और हत्याओं तक को अंजाम देने के आरोप लगते रहे हैं। इस बारे में कोई स्टीक आंकड़ा नहीं है कि 1948 से अब तक पाकिस्तान की सेना ने बलूचिस्तान के कितने नागरिकों को मारा है। लेकिन एनजीए के मुताबिक, 2001 और 2017 के बीच लगभग 5,228 बलूच नागरिक लापता हो गए और यह मान लिया गया है कि वे अब जिंदा नहीं हैं। इसी कारण पाकिस्तान की सेना की हिंसा के जवाब में बलूचिस्तान की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने भी हिंसा का सहारा लिया है। उन पर ऐसा आरोप लगता है कि उन्होंने गैर-बलूच लोगों की हत्या की हैं और बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है। इस्लामाबाद के एनजीओ की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'बलूच विद्रोही गुटों, मुख्य रूप से बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फंट (बीएलएफ) ने 2023 में बलूचिस्तान में 78 हमले किए, जिसमें 86 लोग मारे गए और 137 लोग घायल हुए।

ये हमले मुख्य रूप से बलूचिस्तान के मध्य, दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों के 19 जिलों में हुए और इनमें बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया।' एक सवाल यह भी खड़ा होता है कि बलूचिस्तान की अलग मांग को किस बजह से समर्थन मिला। इसके पीछे दो बातें सामने आती हैं। पहला भेदभाव होना।

बलूचिस्तान के लोगों का इतिहास, भाषा और संस्कृति एक जैसी है लेकिन यह बात कही जाती है कि पाकिस्तान बनने के बाद से ही वहां सिर्फ पंजाब के लोगों का दबदबा है। पंजाब के लोगों का पाकिस्तान की नौकरशाही, सारे संस्थानों पर जबरदस्त कब्जा रहा है। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम में भी पंजाबियों का दबदबा है और इस बजह से बलूचिस्तान के लोग ऐसा महसूस करते हैं कि उनके साथ भेदभाव हुआ है। दूसरी बजह है कि बलूचिस्तान के लोग मानते हैं कि उनके संसाधनों पर कब्जा हो रहा है और उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। बलूचिस्तान का इताका प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है और यह ईरान और अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर स्थित है और इसलिए भी यह पाकिस्तान के लिए रणनीतिक लिहाज से अहम है। लेकिन पाकिस्तान के बाकी हिस्सों की तुलना में यहां के लोग आर्थिक रूप से कमज़ोर हैं। इस बजह से बलूचिस्तान के लोगों के मन में यह बात बैठ गई है कि पाकिस्तान में उनके साथ नाइंसाफी हो रही है और उन्हें अलग देश दिया जाना चाहिए जिससे वे अपने संसाधनों का इस्तेमाल कर सकें।

उनका तर्क है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का ज्यादातर फायदा पाकिस्तान के पंजाब के लोगों को मिलता है। उदाहरण के लिए जैसे चीन के द्वारा बनाए जा रहे ग्वादर पार्ट में अरबों रुपए का निवेश हुआ है लेकिन इससे बलूचिस्तान को फायदा नहीं मिला है। बल्कि पंजाबी और सिंधी इंजीनियरों को यहां काम पर रखा गया। इस बजह से कई बार बलूच लड़ाकों ने पंजाब के लोगों को निशाना बनाया है। अब लगता है कि बलूची आर पार की लड़ाई के मूड में है और वह अलग बलूचिस्तान लेकर ही मानोंगे विरुद्ध स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार।

सराकार



नई शिक्षा नात आर त्रिमाष्ठा फारमूल का लकर विवाद

सकता है इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक राजनीतिक मसला है जिसका भाषा और संस्कृति से ज्यादा सरोकार नहीं है। एमके स्टालिन ने शिक्षा नीति यानी एनईपी के बहाने हिंदी बनाम तमिल का मुद्दा इसलिए बना रखे हैं ताकि वे अपने को द्रविड़ अस्मिता का चैम्पियन दिखा सकें। वे एक आधारी लड़ाई छेड़ कर उसके राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। इस तरह के कई काम वे और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन पहले भी कर चुके हैं। उदयनिधि ने इसी तरह के राजनीतिक लाभ के लिए सनातन धर्म के खिलाफ अवाञ्छित टिप्पणी की थी। सनातन बनाम द्रविड़ संस्कृति का विवाद उहोंने खड़ा किया था तो तमिल बनाम हिंदी का विवाद एमके स्टालिन बना रखे हैं। पहले तो उनका विरोध इतना था कि वे एनईपी के जरिए त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करें और तमिल व अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी पढ़ाए जाने के प्रयास का विरोध कर रहे थे। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार हिंदी थोपना चाहती है लैकिन बाद में उहोंने हिंदी का विरोध शुरू कर दिया। उहोंने कहा कि हिंदी का

चलते उत्तर भारत की 25 बोलियां समाप्त हो गईं। उनका यह निष्कर्ष भरपूर राजनीतिक है और अधूरा है। अब वे तो उत्तर भारत की बोलियां समाप्त नहीं हुई हैं। आज भी करीब 15 करोड़ लोग भोजपुरी बोलते हैं और पूर्वाचार के अलावा देश भर में और विदेशों में भी भोजपुरी बोली जाती है। भोजपुरी के अलावा विहार में मगही, मैथिली और अंगिका, वज़िका आदि बोलियां भी चलती हैं तो उत्तर प्रदेश में भोजपुरी के साथ साथ अवधि व ब्रज भाषा का भी चलन है। राजस्थान, मध्य प्रदेश में भी कई बोलियां प्रचलित हैं। इन बोलियों को मानक भाषा नहीं माना गया है। मानक भाषा के तौर पर हिंदी को सर्विधान में स्वीकार किया गया। सर्विधान बनाने वालों ने 1956 में हिंदी को आधिकारिक राजभाषा घोषित किया और साथ ही कहा कि 15 साल तक अंग्रेजी सहायक राजभाषा बनी रहेगी। हालांकि बाद में तमिलनाडु और दूसरे राज्यों के विरोध में इसलिए हिंदी को समाप्त की जानी चाही दी गई। इसलिए हिंदी को साथ साथ अंग्रेजी भी कामकाज करनी चाही रखी जानी चाही दी गई। तभी हिंदी का उसका विकास करने वाली बोलियां

की राजनीति ठीक नहीं है। अगर उनके इसी तर्क के हिसाब से देखें तो सवाल उठेगा कि क्या तमिल भाषा ने तमिल बोलियों को समास नहीं किया है? तमिलनाडु के अलग अलग इलाकों में कई बोलियां प्रचलित रही हैं। आज भी अनेक बोलियों का अस्तित्व है लेकिन उनको मानक तमिल भाषा नहीं माना जाता है। कोंगू तमिल, मद्रास बश्वर्द, मधुरै तमिल, नेलाई तमिल, कुमारी तमिल आदि बोलियां हैं।

इसके अलावा श्रीलंका के जाफना में या मलेशिया में मानक या शास्त्रीय तमिल भाषा नहीं है। वहां की अलग बोलियां हैं। ऐसा ही कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि मानक भाषाओं का विकास भी बोलियों से ही हुआ है। जिस तरह से उत्तर भारत की बोलियों ने हिंदी को समृद्ध किया है उसी तरह अन्य मानक भाषाएं भी अपनी बोलियों से ही समृद्ध हुई हैं। इसलिए भाषा और बोली के बीच दशकों पहले सुलझ चुके विवाद को फिर से छेड़ने की जरूरत नहीं है। दूसरी अहम बात यह है कि अगर अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य

वह हिंदी नहीं होगी? हिंदी के अलावा किसको पूरे देश की संपर्क भाषा कह सकते हैं? क्या तमिलनाडु के लोग देश के दूसरे हिस्सों में जाते हैं तो वे हिंदी का प्रयोग नहीं करते हैं? क्या वे हिंदी की फिल्में नहीं देखते हैं या हिंदी के गाने नहीं सुनते हैं? देश में उनका काम तमिल और अंग्रेजी के दम पर नहीं चल सकता है। खुद तमिलनाडु का तीर्थाटन और पर्यटन का विशाल कारोबार बड़ी हिंदी आबादी के दम पर ही चल रहा है। हिंदी भाषी पर्यटकों के साथ तमिल लोगों को कामचलाऊ हिंदी से कोई आपत्ति नहीं होती है।

परंतु स्टालिन ने अपने राजनीतिक फायदा के लिए इसका विवाद बना दिया है। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने भी राजनीतिक लाभ के लिए इसे मुद्दा बनाया है। नई शिक्षा की नीति में कई चीजें अच्छी हैं, जिनको लागू करना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार का सारा जोर हिंदी पढ़वाने पर है। वह अपने को हिंदी-वाली दिखाने के लिए दूसरी भाषाओं को हिंदी के विरोध में खड़ा करवाने की राजनीति कर रही है। वैसे भी

विद्यालय हैं, जिनमें हिंदी पढ़ाई जा रही है। इसी तरह ज्यादातर निजी स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी बोर्ड वाले स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। क्या इतना पर्याप्त नहीं है, दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए? इसके अलावा भी दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए संस्थाएं बनी हैं। फिर क्यों केंद्र सरकार तमिलनाडु के सरकारी स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कराने में लगी है? अगर विभाषा फॉर्मूले की ही बात करें तो उत्तर भारत के किंतु स्कूलों में इसको लागू किया गया है? ज्यादातर सरकारी स्कूलों में सारी पढ़ाई हिंदी में ही होती है। उत्तर भारत की बड़ी आबादी के लिए अंग्रेजी आज भी एलियन भाषा है। अंग्रेजी पढ़ाने के लिए रखे गए ज्यादातर शिक्षक हिंदी में ही अंग्रेजी पढ़ाते हैं। ज्यादातर जगहों पर तीसरी भाषा के तौर पर संस्कृत को रखा गया है इसके बावजूद अधिकतर छात्रों को सिर्फ परीक्षा पास करने लायक संस्कृत आती है, जिसका इस्तेमाल वे फिर जीवन में कभी नहीं करते हैं। इसलिए भाषा को लेकर इतना आग्रह या विवाद ठीक नहीं है।

राशिफल



	मेष	आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। इंजीनियर्स को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा जो उनके जीवन का अहम प्रोजेक्ट होगा। आज आप उस बात का समर्थन करेंगे जो आपके लिए लाभदायक है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे आपके सारे काम भी अच्छे ढंग से होंगे। आज बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने ले जाएंगे, जहां बच्चे खूब आनंद उठाएंगे।
	वृष्णि	आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते हैं आज उन्हें धनतालभ होने के योग बन रहे हैं। जो लोग नौकरी की तलाश में उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है। इस राशि के जो लोग कवि हैं आज उनकी कविता की पुस्तक प्रकाशित हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।
	मिथुन	आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बहुत से अच्छे मौके आपका इंतजार कर रहे हैं। लेकिन आपको उनके लिए लगातार कोशिशें करनी होंगी। इस राशि के जिन लोगों का सिंगांग में रुक्खान है आज उन्हें किसी टीवी शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप महंगी खरीददारी के बारे में भी अपना मन बना सकते हैं
	कर्क	आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आज आप नया प्लान बनाएंगे। आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो भविष्य में आपकी सहायता कर सकते हैं। आज सकारात्मक सोच रखकर कार्य करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।
	सिंह	आज आपका दिन लकी रहेगा। मेडिकल स्टूडेंट्स आज अपने सीनियर्स से कुछ नया अनुभव सीखेंगे, जो उनको आने वाले जीवन में लाभ देगा। लेखकों की आत्मकथा आज पब्लिश होगी जो लोगों के द्वारा काफी प्रसंद की जाएगी। साथ ही आज दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं को न रोकें, जो कार्य आपको अच्छा लगें, वहीं करें। शुभ रंग- मैजेंटा
	कन्या	आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे जिससे घर में खुशियों का माहौल रहेगा। बच्चों को ज्ञान की बातें बतायेंगे जिससे बच्चे अच्छे रास्ते पर चले। आज आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ टाइम स्पॉन्ड करने से आपकी उलझने का मक होंगी।

	तुला	आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। ऑफिस में सीनियर आपके काम को देखकर खुश होंगे, जिससे आपको आपके काम के लिए अच्छी रेटिंग मिलेगी। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे जिससे आप खुब सारा धन कमाएंगे। आज आपके कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आयेंगे।
	वृश्चिक	आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुराणी बात को लेकर आप उलझन आ सकते हैं, अपने मित्र से शेरकरे के आपको उस उलझन से राहत मिलेगी। आपके घर पर मेहमान मेहमान आयेंगे, जिससे घर का माहौल व्यस्त रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए दिन फेरवरेल रहेगा, आप नई तकनीकी सीख सकते हैं जो भविष्य में काम आयेगा।
	धनु	आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज परिवार वालों के साथ घर की साफ-सफाई में हाथ बटायेंगे। साथ ही कुछ जरूरी सामान खरीदने बाजार जा सकते हैं। आज आप घर में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। इस राशि के नव-विवाहित के लिए आज का दिन बेहतरीन है। लवमेट आज कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं
	मकर	आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बड़ों की सलाह आपके लिए कारगर होंगी, इसलिए उनसे सलाह लेकर ही काम को करें। आपको उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी है, जिनके विचार नकारात्मक हों। कारोबार में आ रही समस्याएं आज समाप्त होंगी। आपका नए लोगों से जल्दी ही परिचय हो सकता है।
	कुम्भ	आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। शाम को दोस्तों से मिलने के बाद आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। जिससे आपका मूढ़ काफी अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आज सरप्राइज पार्टी देंगे, जिससे आपके बीच का प्यार ज्यादा बढ़ेगा। कार्यों को आप धैर्य पूर्वक पूरा करेंगे, जिससे आपका काम सफल होगा।
	मीन	आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजेस को बढ़ाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग करेंगे। अपने बच्चों के साथ आज घर पर गेम खेलेंगे, जिससे परिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज जो भी फैसला करें काफी सोच विचार कर हीं करें, हो सके तो परिवार वालों की राय जरूर लें।

समसामायिक

ਕੁਮੇ ਮੇਂ ਟੁਬਕਾ ਪਾਪਾ ਕਾ ਪੁਣ੍ਯ ਨੇ ਬਦਲਾ



हरिशंकर व्याज

जो आस्थावान हैं वे परमहस अवस्था में हैं। उन्हें मुक्ति मिली। मोक्ष के साथ स्वर्गलोक में स्थान पक्का! जीवन तथा जन्म धन्य। ऐसे कोई 66 करोड़ हिंदुओं ने मौका नहीं चुका है। इन्होंने बृंध में डुबकी लगाई और पापों को पुण्य में बदला। जम-जन्मातर से मुक्ति हुई स्वर्ण (ब्रह्म में लीन) सुख की गरंटी पाई। दूसरी तरफ वे संसारजीवी हिंदू हैं, जो हैरनी से मन ही मन मान रहे हैं कि मार्केटिंग के रणनीतिकारों की कोई न कोई ठोली, कोई थिंक टैक है, जिसकी प्लानिंग से योगी और मोदी हिंदुओं में आस्था की सुनामी बनाते हुए हैं। बैकल प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों में- यह आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पालिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। सौ टका सही बात है निश्चित ही डोनाल्ड ट्रंप व इलॉन मस्क सहित दुनिया के उन सभी कर्णधारों को अपने राजनीतिक-धार्मिक, कारोबारी रणनीतिकारों को हड़काते हुए आदेश देना चाहिए कि वे भारत जा कर योगी और मोदी के चरणों में बैठें, उनसे सीखें। इन्होंने 45 दिनों में पूरी दुनिया को पछाड़ दिया है। हिंदू आस्था की महाशक्ति के विश्व स्टॉर्ड बने हैं। सो, कहां गए हमारे धर्म के धर्मचार्य? हमें वेटिकन में भीड़ का स्टिकर्ड बनाना है। जाहिर है इस होड़ में सर्वाधिक घायल चीज़ ही होगा। इसलिए क्योंकि वह कम्युनिस्ट देश है। धर्म तथा आस्थाविहीन है।

दश हा है उम मादा के भारत न पहल आबादा म पछाड़ा। अब आस्था का ताकत में भी पछाड़ा। और करें कुंभ बाद सरकारी प्रेस रिलीज, मीडिया रिपोर्टों की इन बातों पर 45 दिनों में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। अमेरिका सहित एक सौ देशों की आबादी से अधिक लोग कुंभ के दौरान प्रयागराज पहुंचे। यह संख्या मक्का और वेटिकन सिटी जाने वाले श्रद्धालुओं से भी अधिक है। सउदी अरब के मक्का और मदीना जाने वाले हजायात्रियों से यह संख्या दो सौ गुना अधिक है। इस महाकुंभ ने इतिहास रचा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में कई रिकॉर्ड बने हैं आदि, आदि। मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में बाकी धर्मों को पछाड़ने के दो टूक आकड़े भी प्रस्तुत किए। उन्होंने महाकुंभ से तुलना में मक्का, मदीना का आंकड़ा बताते हुए कहा- मक्का में 24 दिन में एक करोड़ 40 लाख यानी करीब डेढ़ करोड़ लोग पहुंचे हैं। ईसाईयों के सबसे बड़े धार्मिक स्थल वेटिकन सिटी में 80 लाख पहुंचे हैं। लेकिन अयोध्या में इसके 12 गुना यानी 16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। वही महाकुंभ में 45 दिनों में 64 करोड़ लोगों ने संगम मान किया है। इस्लाम, ईसाई या किसी अन्य धर्म में सनातन धर्म के इस वैश्विक आयोजन का कोई मुकाबला नहीं है। जाहिर है इसकी वजह को भारत परम धार्म प्राप्त है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है- ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शाताब्दियों की एक नींव रख गया है। 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकास यात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है- विकसित भारत का। उन्होंने आगे कहा- आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती। लेकिन हम तब ये नहीं कर पाए। अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनादर्श की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एक जुट हो रही है। जाहिर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्थावान हिंदुओं को परमहंस अवस्था में पहुंचा दिया है। इस अमृतकाल से भारत अपृथक्य से चला रहा है और उसकी शक्ति जो एक विश्वास है।

चित्रकूट/कौशाम्बी/मिर्जापुर/बांद

कमाई के साथ वित्तीय प्रबंधन के भी गुर सीखें स्वयं सहायता समूह - राज्यपाल

- श्रीमती पटेल ने गर्भवती माताओं की गोदभाई व नवजात शिथुओं को खीट

दो सगे भाईयों को गैर डरादतन हत्या के मामले में न्यायालय ने सनाई सजा

लोकमित्र ब्यूरो

चित्रकूट - गैर इण्डियन हत्या के मामले में न्यायालय ने दो सगे भाईयों को पांच-पांच वर्ष सत्रहम कारावास की सजा सुनाई है। उसके पिता चन्द्रपाल सह एवं परिवार के नन्थन सिंह व पंकज सिंह पर लाठी-डेंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिसमें इलाज के दौरान उसके पिता चन्द्रपाल की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट करने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

जून 2014 का रपोर्ट दज कराई था। वादी के अनुसार उसके गांव के ही रहने वाले नन्थन सिंह ने अपने बेटे संतोष सिंह, पबन सिंह, अरुण सिंह व भतीजे बड़कौना उर्फ अनिल सिंह, ननकौना उर्फ महेन्द्र, चुनकौना उर्फ सुनील सिंह, पंकज सिंह व बलराज सिंह ने उससे मारपीट किया और जान

प्रत्युत कर बिल

चित्रकूट- जिलाधिकारी शिवशण्णा जीएन ने बताया कि शासन द्वारा प्रदेश के कोषागारों में वर्तमान में लागू ऑनलाइन बिल प्रस्तुतीकरण एवं ई-कुबेर प्रणाली के द्वारा त्रोयालयों में स्पष्टता देनको

लोकमित्र ब्यूरो

चित्रकूट - प्रधानमंत्री उज्ज्वल योजना के लाभार्थियों को द्वितीय चरण के कार्यक्रम के तहत बुधवार को कलेक्टरेट सभागार में निःशुल्क रिफिल सिलेंडर का सब्सिडी बितणा कार्यक्रम आयोजित किया

दूसरे पक्ष के ना आरापाया का मारपाट के मामले में तीन-तीन वर्ष सत्रम कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती आठ जून 2014 को राजापुर थाना क्षेत्र के हॉटेली गांव के मजरा भावपुरवा निवासी सुनील सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी गई तहरीर में शिकायतकर्ता ने बताया था कि गांव के ही रहने वाले उमाशंकर व उसके भाई कड़हु ने किया था।

बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद अपर जिला जज अनुराग कुरील ने इस मामले में निर्णय सुनाया। जिसमें दोष सिद्ध होने पर आरोपी उमाशंकर और उसके भाई कहरू को पांच-पांच वर्ष सत्रम कारावास के साथ 10,000-10,000 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। इसी विवाद में दूसरे पक्ष के शिवशंकर उर्फ कहरू ने बीती 20 अप्रैल न उनसे मारपाट किया आर जास से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में भी मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद निर्णय सुनाया। जिसमें दोष सिद्ध होने पर सभी नौ आरोपियों को तीन-तीन वर्ष सत्रम कारावास की सजा सुनाई दी। साथ ही प्रत्येक को 6,000-6,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

चुनाव आयोग ने नेताओं को बातचीत के लिए किया आमंत्रित

चित्रकूट व्यूरो- उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश चन्द्र निगम ने बताया कि चुनाव आयोग ने कानूनी ढांचे के भीतर चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने बताया कि भारत का चुनाव आयोग सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल तक इंआरओ, डीईओ व सीईओ के स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दे के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। जिसके तहत राजनीतिक दलों को जारी एक व्यक्तिगत पत्र में आयोग ने स्थापित नए नियमों को अनुसार उपरी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए परस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर पार्टी अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत की परिकल्पना की है। बताया कि इससे पहले बीते सप्ताह ईसीआई काम्फेंस के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ, डीईओ और इंआरओ को राजनीतिक दलों के साथ नियमित बातचीत करने तथा इस दौरान प्राप्त किसी भी सुझाव को पहले से मौजूद कानूनी ढांचे के भीतर सख्ती से हल करने और 31 मार्च तक आयोग को कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने का विर्तुगा दिया है। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का ध्यान आग्रह किया।

सर्विधान और वैधानिक ढांचे के अनुसार चुनाव प्रक्रिया वैध सभी पहलुओं को कवर करने वाले होली के दिन बंद हैं-

चित्रकूट- जिलाधिकारी शिवशरण द्विष्टात जनपद में कानून व्यवस्था संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम शुक्रवार को मऊ थाना क्षेत्र स्थित जनपद चित्रकूट स्थित समस्त देशी फुटकर बिक्री तथा थोक अनुज्ञापन के अनुसार सिर्फ मऊ थाना क्षेत्र स्थित हैं।

महिला का टीनशेड के एंगल में फंदे पर लतकता गिला था हड्डा का गाँड़ा

लोकमित्र ब्यूगे

चायल, (कौशास्त्री)। एयरपोर्ट कोतवाली क्षेत्र के गांजा गांव में मंगलवार की रात घर के अंदर टीनशेड के एंगल में फैदे से लटकता महिला का शव मिला। शव लटकता देख परिजनों के होश उड़ गए। घटना की जानकारी पाकर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालियों पर हत्या कर शव फैदे पर लटकाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

छह माह पहले मायक जान का जिद पर ससुरालियों ने डंडे से पिटाई कर उसका सिर फेड़ दिया था। आरोप है कि मंगलवार की रात भी उन्होंने मधु की पिटाई कर उसकी हत्या कर दी। महिला के सिर, चेहरे, शरीर में कई खिलाफ तहरीर दी है। इस संबंध में इंस्पेक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर शब को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

जगीजी विवाद की जांच के लिए नारा पहुंचे नायब तहसीलदार



राजस्व वसूली को प्रदान करें गति- डीएम



लोकमित्र व्यूरो

चित्रकूट - कर-करेतर एवं सीएम डेशबोर्ड - के माध्यम से राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक बुधवार को जिलाधिकारी शिवशरणपा जीएन की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें डीएम ने की जाएगी। कहा कि जिन विभागों की रैकिंग अच्छी है, वह ऐसे ही कार्य करें। इसके बाद जिलाधिकारी ने कर-करेतर राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व पूर्ति कराना सुनिश्चित करें। आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर अवैध शराब की भट्टियों को पकड़े तथा जरीरी शराब न बिकने पाए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, उपजिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, उप जिलाधिकारी मऊ सौरभ यादव,

समीक्षा कार्यों का जायजा लेते हुए सम्बन्धितों को जिले की रैकिंग सुधारने के निर्देश दिए बैठक में जिलाधिकारी ने माह फरवरी में जनपद की रैकिंग को प्रभावित करने वाले कारणों की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन बिंदुओं के कारण जनपद की रैकिंग प्रभावित हुई है, उन पर इस माह में प्रगति कराए अन्यथा सम्बन्धित के खिलाफ सख्त कार्रवाई कहा कि विद्युत, खनन व बैंकों द्वारा जो आरसी जारी किया गया है, उसे नायब तहसीलदार व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ अभियान चलाकर वस्तुली कराए। जिलाधिकारी ने सहायक आयुक्त खाद्य प्रियंका सिंह को निर्देशित किया कि होली व रमजान पर्व के दृष्टिकोण से लगातार दुकानों पर छापामारी करें। कहा कि किसी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने राजापुर हर्षिता देवड़ा, उपायुक्त राज्य कर विक्रम अजीत, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, डिप्टी अरएमओ अविनाश झा, जिला खनिज अधिकारी सुधाकर सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, जिला दिव्यांग जन शक्तिकरण अधिकारी प्रियंका यादव, जिला आबकारी अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मैट्जूट गये।

॥ योजना के द्वितीय तरण के तहत लिया गया सलिसली वितरण

सिंह ने बताया कि जनपद में वर्तमान में एलपीजी रिफिल का उपभोक्ता मूल्य 858.42 रुपये प्रति सिलेंडर है, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा 349.78 रुपये व राज्य सरकार 508.14 रुपये प्रति सिलेंडर रिफिल सब्सिडी धनराशि उनके आधार प्रमाणित बैंक खातों में अंतरित की जाएगी।

किया गया। इस माक पर भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, ब्लाक प्रमुख मानिकपुर अरविंद मिश्रा, रामनगर गंगाधर मिश्रा सहित अन्य जनप्रातानाथ तथा मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, उप जिलाधिकारी कर्वा पूजा साहू सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भूमि अधिग्रहण कार्य को पूरा

करने के डीएम ने दिए निर्देश

व मानिकपुर के तहसीलदारों से भूमि अधिग्रहण के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि शासकीय भूमि चिन्हित कर प्राथमिकता के साथ अधिग्रहण कराए तथा समस्या आने पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक व बंदोबस्तु अधिकारी चकबंदी को बताएं। जिससे सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा समस्या का निस्तारण किया जा सके। उन्होंने श्रीराम वन गमन मार्ग के लिए की जा रही भूमि अधिग्रहण कार्य की प्रगति की भी जानकारी लेते हुए अवशेष कार्यवाही को पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने लिंक एक्सप्रेस-वे की भुगतान की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जिन लोगों की भूमि का अधिग्रहण किया गया है, उन्हें जल्द से जल्द भुगतान कराएं। कहा कि सम्बन्धित गांव में जाकर चौपाल लगाकर ग्रामीण जनता से भूमि अधिग्रहण के सम्बन्ध में वार्ता करें। इस मौके पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद सहित उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, उपज़िला पर्वतीन्द्र अहिंसा और उन्हें।

रेखनात्मक विकास में अपना से अपील है कि युवाओं को आम्बन्ध में जागरूक करे, ताकि यनात्मक विकास में महत्वपूर्ण नायब तहसालदार आद माझूद रह।

18 को होगी बैठक

चित्रकूट- उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश चन्द्र निगम ने बताया कि निर्वाचक नामावली के संबंध में उपलब्ध कराए गए अभिलेखों एवं वृथ लेवेल एजेन्ट नियुक्त किये जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के माथ बैठक आयोजित करने के दिनेसात्तर्याम तक लाभार्थी को मानविकास

अखिलेन्द्र बहादुर सिंह
जिला आबकारी अधिकारी
चित्रकूट

के साथ जिले जापांगत करने के लिए राष्ट्रानुसार पुनर्वापर का सम्बन्धित
निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 236
चित्रकूट व 237 मानिकपुर में बैठक का आयोजन किया गया। बताया कि इसी
क्रम में आगामी 18 मार्च को जिला स्तर पर समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं
राज्यीय राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें निर्वाचक
नामांवलियों के सम्बन्ध में प्राप्त कराये जाने वाले अभिलेखों एवं प्रत्येक बूथ
पर जीवान्वयनिक विवेद जारी होंगे।

जिसके लिए आयकर, व्यापार कर, डर आमंत्रित किए जाते हैं :—

	सामग्री की मात्रा	स्टीमेट का मूल्य (लाख में)
पेनहार्ड	प्रावकलन के अनुसार	7.75

..2025 से दिनांक 17.03.2025 को (मात्र) का भुगतान प्राप्त कर उसी आपूर्तिकर्ताओं द्वारा जमा किए गये ले जायेंगे।

ग्राहणभृत्य

सम्पादक: कृष्णानन्द त्रिपाठी

